रजिस्टर्ड नं0 HP/13/SML/2001.

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 29 मई, 2001/8 ज्येष्ठ, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-9, 3 अप्रैल, 2001

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0 (5) 12/88-पंचायत भवन-कुल्लू-10741-46.--क्योंकि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि पंचायती राज विभाग को अपने व्यय पर पंचायत भवन सरवरी, तहसील व जिला कुल्लू में भूमि अर्जित करना अपेक्षित है।

अत: एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हैं/हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4(1) के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है। यह इसलिए

आवश्यक है क्योंकि उपरोक्त भूमि पर पंचायत भवन पहले ही निर्मित है। इसलिए इस भूमि का अर्जन जन-हित में अपरिहार्य है।

पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने और इस धारा द्वारा अपेक्षित अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (ए) के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी

जिला : कुल्लू तहसील : कुल्लू

गांव	खसरा नं0	क्षेत्र (बीघों में)
सरवरी	1967/1	0 0 14

Shimla-9, the 16th May, 2001

No. PCH-HA(3)3/96-17155-17400.—In exercise of the powers vested in him, the Governor of Himachal Pradesh, under sub-section(1) of section 185 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 is pleased to constitute the District Planning Committee for each District of the State for the purpose of consolidating of plans prepared by the Gram Panchayats, Panchayat Samitis, Zila Parishads, Municipalities in the district and to prepare a draft development plan for the district as a whole.

Further, in exercise of the powers vested in him under sub-section (2) of section 185 of the Act *ibid* read with sub-rule (1) of Rule 3 of the Himachal Pradesh District Planning Committee (Election) Rules, 1998, the Governor, Himachal Pradesh, is further pleased to determine the total number of members of each of the District Planning Committee as given in the following table and to include the Cabinet Ministers/Ministers of the State Government mentioned in column number 8 below, to be member and Chairman of the District Planning Committee of the respective districts:—

Name of the district	Total No. of members of DPC	No. of members to be elected from Zila Parishads	No. of members to be elected from Municipalities	No. of members of house of people	Chairpersons of Zila Parishads	No. of Mayor/President of Municipalities having jurisdiction over the headquarter of the district	Name of the Cabinet Minister/Minister who shall be the member and Chairperson of the DPC
1	2	3	4	5	6	7	8
1. Bilaspur	20	13	3	1	1	1	Sh. J. P. Nadda
2. Chamba	20	15	1	2	1	1	Sh. Kishori Lal Vaidya

1	2	3	4	5	6	7	8
3. Hamirpur	20	15	1	1	1	1	Sh. I. D. Dhiman
4. Kangra	25	19	1	2	1	1	Sh. Vidya Sagar
5. Kinnaur	12	9	—	1	1	—	Sh. Roop Dass Kashyap
6. Kullu	20	13	3	1	1	1	Sh. Ramesh Chand
7. Lahaul-Spiti	12	9	—	1	1	—	Sh. Kishan Kapoor
8. Mandi	25	19	1	1	1	1	Sh. Roop Singh Thakur
9. Shimla	25	16	4	2	1	1	Sh. Narender Bragta
10. Sirmour	20	14	2	1	1	1	Sh. Rikhi Ram Kaundal
11. Solan	20	14	2	1	1	1	Sh. Mansa Ram
12. Una	20	15	1	1	1	1	Sh. Parveen Sharma

Besides in exercise of powers vested in him under sub-section (8) of section 185 of the Act *ibid*, the Chairman of every District Planning Committee shall forward the development plan, as recommended by such committee, to the Government after following the detailed procedure envisaged in sub-section (7) of section 185 of the Act *ibid*.

———

शिमला-171009, 18 मई, 2001

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0 (1) 42/87-17472-17622.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 5 मई, 2001 के अन्तर्गत, जिला लाहौल-स्पिति के विकास खण्ड लाहौल के निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम सभा क्षेत्रों को विभाजित/पुनर्गठित हेतु सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आपत्तियां एवं सुझाव आमन्त्रित किए गए थे तथा उपायुक्त, लाहौल-स्पिति को इस सम्बन्ध में, आपत्ति/सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

उपरोक्त अधिसूचना में निर्धारित अवधि के भीतर इस सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है। अतः उपायुक्त, जिला लाहौल-स्पिति की सिफारिश के दृष्टिगत, इस विभाग द्वारा जिला लाहौल-स्पिति के निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम सभा क्षेत्रों के विभाजन/पुनर्गठन के सम्बन्ध में जारी पिछली सभी अधिसूचनाओं के आंशिक आशोधन में, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 3 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जिला लाहौल-स्पिति के निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम सभा क्षेत्रों को विभाजित/पुनर्गठित कर उनके लिए, उपरोक्त अधिनियम की 4 की उप-धारा (1) के प्रयोजन हेतु, निम्न प्रकार से ग्राम सभाओं की स्थापना सहर्ष आदेशित करते हैं।

राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, उपरोक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2-क) तथा धारा 3-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन यह भी आदेश प्रदान करते हैं कि इस अधिसूचना के अन्तर्गत ग्राम सभा क्षेत्रों का पुनर्गठन/पुनः सीमांकन, विद्यमान पंचायतों के वर्तमान पदाधिकारियों की पदावधि को प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

क्रम सं0	वर्तमान ग्राम सभा तथा इसके मुख्यावास का नाम	कोष्ठ संख्या 2 में वर्णित ग्राम सभा में सम्मिलित ग्रामों के नाम	कोष्ठ संख्या 2 से अपवर्जित होने वाले ग्राम का नाम	विवरण
1.	1. वारपा (लोट)	1. मुचलिंग 2. तो-कारिंग 3. लोट 4. कारिंग 5. लपशक 6. यंग-रंग 7. रांगवे 8. यांग-तोजिंग 9. तोजिंग 10. वारी 11. मरबल	1. मरबल	1. कोष्ठ संख्या 4 में वर्णित ग्राम को वर्तमान ग्राम सभा वारपा (लोट) से अपवर्जित करके वर्तमान ग्राम सभा तांदी में सम्मिलित किया जाता है। 2. कोष्ठ संख्या 4 में वर्णित ग्राम को छोड़कर कोष्ठ संख्या 3 के शेष ग्राम वर्तमान ग्राम सभा वारंग (लोट) में ही रहेंगे।
2.	1. कोलोंग (गैमूर)	1. तिनो 2. कोलोंग 3. केलद 4. खंगसर 5. मेह 6. गैमूर गोम्पा 7. बोक 8. गैमूर 9. तिंगल	1. तिंगल	1. कोष्ठ संख्या 4 में वर्णित ग्राम को वर्तमान ग्राम सभा कोलोंग (गैमूर) से अपवर्जित करके वर्तमान ग्राम सभा दारचा (सुमदो) में सम्मिलित किया जाता है। 2. कोष्ठ संख्या 4 में वर्णित ग्राम को छोड़कर कोष्ठ संख्या 3 के शेष ग्राम वर्तमान ग्राम सभा कोलोंग (गैमूर) में ही रहेंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव।

ORDER

Shimla-9, the 19th May, 2001

No. PCH-HA(5) 20/97-Chawai-17689.—Whereas the District Panchayat Officer Kullu *vide* his order No. PCH-KU(G) (15K) 70/79-Chawai dated 7-7-1999 has placed Shri Atma Ram, Pradhan Gram Panchayat Chawai, Development Block Anni, District Kullu under suspension for charges of misappropriation and irregularities.

And whereas the inquiry was conducted by the ADM Kullu and Shri Atma Ram, Pradhan (under suspension) was found guilty for the following charges:—

1. He had kept the money of Panchayat w. *e. f.* 7-1-1996 to 6-7-1997 @ Rs. 82,644/-
2. Withdrawal of amount from the bank and Post office on 5th April, 1997 and entered the amount on 7-7-1997 and 31-11-1997.
3. In the cash-book at Page-32, he had shown that he had made a payment to Civil Supply Department for 5 bags of cement for Rs. 1582/- on 7-5-1997 but the receipt of the Civil Supply Department is of 23-7-1997.
4. Misappropriation of Rs. 1919.25 in the muster-roll for construction of Primary School Chawai.
5. Misappropriation of Rs. 2336.50 during the construction of Primary School Shamsher.
6. *Vide* Page-56 of the cash-book on 22-1-1997, he has shown payment made for the month of September, 1997 for 31 days whereas there are 30 days in September, 1997. Hence he has been found guilty for the misappropriation of Rs. 399.50.
7. He has been found guilty for misappropriation of Rs. 1921/- in the month of January, 1998 for the construction of Panchayat Ghar Chawai.
8. He has been found guilty of tampering the records and misappropriated the amount of Rs. 8000/-. He made tampering in the quantity of bricks as well as in the amount.
9. He has been found guilty for misappropriation of Rs. 3452/- for entering 6 labourers for the same date in two separate muster-roll for the construction of wall of High School Chawai and repair of road.
10. He was found guilty to show excess payment made to the tune of Rs. 6687/- by showing payment from 1st to 7th August, 1997 whereas the muster-roll was issued on 7-8-1997.

Whereas, I have heard the said Pradhan (suspended) and gone through the inquiry report and found that the inquiry officer (ADM Kullu) has concluded that the charges are proved and the said Pradhan has deposited the entire money. The Pradhan (suspended) has also admitted that the above irregularities had taken place by him but it is basically due to the GPVA who records all these entries.

Therefore, the undersigned after having considered the facts and evidences come to the following conclusion:—

No doubt Shri Atma Ram, Pradhan (suspended) was at guilt as he had admitted at the time of personal hearing given to him. The very fact that he has deposited the money makes it clear that he was at fault and deposited all the amount and no loss has occurred to the Panchayat. Now at this stage, when Shri Atma Ram is no more Pradhan, I find no cause to punish him at this stage. Hence, as per powers vested in me under section 148 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994, I feel that it is a case where the Gram Panchayat Pradhan has to be exonerated and the case needs to be dropped in view of the reasons explained above and accordingly the same is dropped.

S. K. DASH,
Commissioner-cum-Secretary.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित